अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–161 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 11 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस विभाग में अवस्थापना सुविधाओं को और अधिक सुदृढ

पुलिस विभाग के 796 आवासीय व अनावासीय भवनो का हो रहा है निर्माण

अवध की आवाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर पुलिस विभाग में अवस्थापना सुविधाओं को सुदृढ़ करते हुये बडे़ पैमाने पर आवासीय एवं अनावासीय भवन निर्मित कराये साथ विभिन्न निर्माण एजेन्सियों को आवंटित कार्यों में अब तक हुयी प्रगति की गहन समीक्षा की। अपर मुख्य सचिव, गृह ने कहा कि निर्माण कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाय और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता के अन्तर्गत 15 पुलिस चौकी तथा 42 थानों के आवासीय एवं अनावासीय भवन हैं। साथ ही 61 अग्निशमन केन्द्र, 35 पुलिस लाइन्स में ट्राजिस्ट हॉस्टल, 88 पुलिस लाइन्स में पुरूष एवं महिला हॉस्टल, 31 पी0ए0सी0 वाहिनियों में बैरक, 317 थानों पर

जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पुलिस विभाग के लिए वर्तमान सरकार द्वारा करायें जा रहे 796 निर्माण कार्यों में से 592 मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा से संबंधित तथा 204 अन्य निर्माण कार्य हैं। इन सभी 796 विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यो की कुल लागत 480062.95 लाख रूपये है। इनमें से लगभग एक हजार करोड़ रूपये से अधिक के निर्माण कार्य इसी माह में पूर्ण हो रहे हैं, जिनका लोकार्पण अगले मास किया जायेगा। शेष निर्माण कार्यो को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित निर्माण एजेन्सियों को दिये गये है। अपर मुख्य सचिव, गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी ने आज मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 के ऑडी टोरियम में बी0 पी0 जोगदण्ड, अपर पुलिस महानिदेशक, पी0 एच0 क्यू0 के बर्दाश्त नहीं की जायेगी एवं दोषी के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने निर्माण एजेन्सियों के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की है कि वह शासन द्वारा आवंटित धन के उपयोग सम्बन्धी प्रमाण–पत्र उचित माध्यम से शीघ्रातिशीघ्र प्रस्तुत करे, ताकि उन्हें नियमानुसार धनराशि की अग्रिम किश्त समय पर जारी की जा सके। अपर पुलिस महा निदेशक, पी0 एच0 क्यू0, बी0 पी0 जोग दण्ड ने कहा कि निर्माण एजेन्सियां जब उपयोगिता प्रमाण–पत्र अपने विभागीय सक्षम स्तर पर प्रस्तुत करें, तो उसकी एक प्रति ई–मेल से पी0 एच 0क यू0 को भी अनिवार्य रूप से प्रेषित करें, ताकि पुलिस मुख्यालय भी समन्वय बना कर इस कार्य में शीघ्रता लायी जा सके। मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के सापेक्ष कराये जाने वाले 592 निर्माण कार्यो हॉस्टल निर्मित कराये जा रहे हैं। 02 प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार किया जा रहा है तथा एक महिला पी0ए0सी0 वाहिनी का भी निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावा इसी प्रकार के 204 अन्य निर्माण कार्य भी किये जा रहे हैं। हरीराम शर्मा, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस आवास निमग, नवनीत सिकेरा, अपर पुलिस महानिदेशक, भवन कल्याण तथा पी0एच0क्यू0, सचिव, गृह तरूण गावा, विशेष सचिव, गृह आर0पी0 सिंह के उपस्थित थे। इसके अलावा लोक निर्माण, पुलिस आवास निगम, आवास विकास परिषद, सी0एण्ड डी0एस0, जल निगम, उ0प्र0 प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड, राजकीय निर्माण निगम, समाज कल्याण निर्माण निगम, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग व जल निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

शांति भंग करने के मद्देनजर पुलिस द्वारा की गई बड़ी कार्यवाही

अवध की आवाज

गोंडा। उप निरीक्षक सुनील कुमार यादव द्वारा निरोधात्मक के अंतर्गत अभियुक्त द्वारा शांति व्यवस्था भंद करने के कारण धारा 151 107 116 सीआरपीसी की

चालान माननीय न्यायालय किया गया रवाना। उक्त अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना पर एनसीआर 142/21 धारा 323, 504 आईपीसी पंजीकृत किया गया। तुलसीराम कल्लू पुत्र देवी बाक्स और पुजारी निवासी ग्राम गोसाई पुरवा मौजा छजवा। उक्त अभियुक्त को उप निरीक्षक सुनील कुमार यादव कांस्टेबल शुभम मौर्य कवच आदि लोगों ने किया गिरफ्तार।

लखनऊ विकास प्राधिकरण की जन शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक में निस्तारित जन शिकायतों की गुणवत्ता व शिकायत कर्ता की सुरक्षा पर नहीं हुई कोई चर्चा

ल.वि.प्रा. उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने जन शिकायतों को समयबद्ध निस्तारित करने के दिये निर्देश

गलत व फर्जी आख्या देने वाले अभियंताओं के खिलाफ क्या होगी कार्यवाही?

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने शुक्रवार को जन शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक की। बैठक में उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने सर्वप्रथम जोन–1 के अधिशासी अभियन्ता अवनीन्द्र सिंह से जन सामान्य द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्रों पर की गई कार्यवाही की रिपोर्ट मांगी। इसमें अधिकांश मामले प्रवर्तन से सम्बन्धित थे। अभियन्ताओं द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किये जाने पर उपाध्यक्ष ने साक्ष्य के रूप में इनसे सम्बन्धित दस्तावेज, फोटो व वीडियो भी मांग लिये। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भविष्य में होने वाली बैठकों में कार्यवाही से सम्बन्धित फोटो व वीडियो जरूर प्रस्तुत करें। इसी तरह जोन–6 के अधिशासी अभियन्ता कमल जीत सिंह से शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए उपाध्यक्ष ने सम्बन्धित शिकायत कर्ता को मीटिंग हॉल में बुलाकर दोनों का आमना–सामना कराया। इनमें से दो मामलों में अधिशासी अभियन्ता द्वारा प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही की जा चुकी थी, जबकि एक प्रकरण में कार्यवाही प्रचलित होने की जानकारी दी गई। इस पर उपाध्यक्ष ने शिकायत को जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिये। उपाध्यक्ष महोदय द्वारा जन सम्पर्क के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों में से कुछ मामलों पर निर्देशों का अनुपालन समय से न करने पर समीक्षा बैठक में

नराजगी प्रकट की गई। उनके द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी मामलों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जाये। इस दौरान उन्होंने जोनवार सम्बन्धित अधिकारियों से प्रत्येक जन शिकायतों पर की गई कार्यवाही का ब्यौरा लिया। कुछ प्रकरणों में उपाध्यक्ष ने शिकायतकर्ताओं को खुद फोन करके अधिकारियों द्वारा उनके प्रार्थना पत्रों पर की गई कार्यवाही पर उनकी संतुष्टि जानी। बैठक में अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, विशेष कार्याधिकारी डी.के सिंह व रामशंकर समेत सभी जोन के अधिशासी अभियन्ता तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। गौर तालाब यह है कि समीक्षा बैठक में उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने जन शिकायतों को समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश के निर्देश तो दे दिऐ परन्तुं साथ ही निस्तारित जन शिकायतों की गुणवत्ता व शिकायत कर्ता की सुरक्षा पर कोई चर्चा नहीं की। और न ही सम्बंधित अधिकारीयों को कोई चेतावनी दी कि निस्तारित जान शिकायत की गलत व फर्जी आख्या देने वाले अभियंताओं के खिलाफ क्या होगी कार्यवाही ? इस तथ्य को लेकर कुछ बीते समय में आम जनता व पत्रकारों पर जानलेवा हमले हुए है। अफसोस की बात तो यह है कि यह सभी हमले विभागीय सम्बंधित अधिकारीयों द्वारा मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल की गोपनीयता को भांग करके शिकायत कर्ताओं की गोपनीय जानकारी बिल्डर्स आदि को दी गयी जो एक संगीन अपराध की श्रेणी में आता है। इस जानकारी को लेकर शिकायत कर्ताओं पर आये दिन जानलेवा हमले होते हैं।अब देखना यह है कि ल.वि.प्रा. उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा उक्त प्रकरण में दोषी अधिकारीयों के खिलाफ क्या सख्त कदम उठाकर किस हद तक दण्डित करते है या यूँ ही शिकायत कर्ताओं को दबंगों के कोप का भाजन बनते रहना पड़ेगा और उनकी शिकायतों का निस्तारण निष्पक्ष रूप से कभी नहीं हो सकेगा।

आवारा पशुओ की समस्या को लेकर सपा के पूर्व मंत्री की अगुवाई में धरना सम्पन्न

अवध की आवाज

गोंडा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री अवधेश प्रसाद ने बृहस्पतिवार को प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए उसे हर मोर्चे पर विफल बताया। अमानीगंज ब्लाक

मुख्यालय पर किसानों की फसल साड़ों से बचाने के लिए तथा बढ़ती हुई महंगाई पर रोक लगाने के लिए एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद की अगुवाई में की गई। धरना प्रदर्शन में मौजूद लोगों से श्री प्रसाद ने कहा कि प्रदेश भर में छुट्टा जानवरों के चलते किसानों की फसलें नष्ट हो रही हैं लेकिन प्रदेश सरकार इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर तहसील क्षेत्र समेत जिले के किसान प्रदेश सरकार से बेहद खफा हैं और आने वाले विधानसभा चुनाव में उसे मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार बैठे हैं। इतना ही नहीं यह भी कहा मेरी सरकार बनते ही कि जिन किसानों को छुट्टा साड़ों के मारने से से मौत हुई है उनके बच्चों को पांच लाख रुपए दिया जाएगा। सपा जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव कहां की भाजपा सरकार समस्या पैदा करती है समाधान नहीं महंगाई भ्रष्टाचार बेरोजगारी आदि सभी समस्याएं की जननी है भाजपा श्री यादव ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अभी से एकजुट होकर 2022 में अखिलेश यादव के नेतृत्व सपा की सरकार बनाएं तभी विकास होगा। धरना प्रदर्शन में शामिल हुए गोसाईगंज विधानसभा के पूर्व विधायक अभय सिंह ने कहा कि मौजूदा सरकार विद्यालयों को बंद करके 2 वर्षों से ऑनलाइन पढ़ाई कराने में जुटी है लेकिन ग्रामीण क्षेत्र से पठन–पाठन करने वाले छात्र छत्राओं के पास एंड्राइड मोबाइल नहीं है यदि छात्रों के पास मोबाइल या लैपटॉप है भी तो नेटवर्क की दिक्कत से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। सात वर्ष पूर्व सपा सरकार ने छात्र छात्राओं को पठन–पाठन करने के लिए लैपटॉप दिया हुआ था। भाजपा सरकार सड़क का लोकार्पण नहीं कर रही है राशन वितरण वाले झोले का लोकार्पण कर रही है। हम लोग ज्ञापन नहीं देंगे सिर्फ सरकार को उखाड़ फेंक देंगे। इसी क्रम में रुदौली के पूर्व विधायक रुश्दी मियां ने छुट्टा जानवरों तथा महंगाई पर जमकर बरसाते हुए कहा कि 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत के साथ जुट जाना होगा। एक बार अगर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बन गई तो उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनने से कोई रोक नहीं सकता। सपा जिला प्रवक्ता चौ0 बलराम यादव ने बताया कि आज आयोजित धरना प्रदर्शन में बड़ी तादाद में सपा कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर सरकार की नीतियों व रीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने बताया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री अवधेश प्रसाद के साथ–साथ कार्यक्रम में शिरकत कर रहे लोगों ने एक सुर के साथ प्रदेश सरकार को जन विरोधी करार दिया। समाजवादी पार्टी के मिल्कीपुर मीडिया प्रभारी लवलेस पाण्डेय ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी महेंद्र प्रताप सिंह व संचालन विधानसभा महासचिव यदुनाथ यादव ने किया। इस मौके पर जिला महासचिव बख्तियार खान, चौधरी बलराम यादव छोटे लाल यादव, पारसनाथ आदि लोगों मौजूद रहे।

जनपद में नही फैलनी चाहिये डेंगू/मलेरिया जैसी बीमारी

अवध की आवाज

उन्नाव। जिलाधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय कक्ष में मा0 मुख्य मंत्री जी उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कल दिनांक 09 सितम्बर 2021 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग में दिये गये निर्देशों के अनुपालन के सम्बन्ध में विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारियों

एवं चिकित्साधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किये। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 सत्य प्रकाश को जनपद में मिले हुये डेंगू के दो केस के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये पूरी तैयारियां पूर्ण करने के साथ– साथ एल0 वन0 अस्पताल में और अधिक बेडों की व्यवस्था कराने, प्रत्येक सा0 स्वास्थ्य केन्द्र व प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में दस–दस बेडों की ओर व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा एफ–84 व बीघापुर में डेंगू के केस सामने आ गये हैं और अधिक केस जनपद में न आयें इसके लिये समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को सचेत रहना चाहिये। जनपद की प्रत्येक नगर पंचायत व ग्राम पंचायतों मे साफ–सफाई, दवा का छिड़काव आदि समय से अवश्य हो जाना चाहिये। प्रत्येक नगर पंचायत व ग्राम पंचायतों में लगी हुयी झाड़ियां आदि अवश्य कटवा दी जायें। प्रत्येक बी0डी0ओ0/वी0डी0ओ0 यह सुनिश्चित करें की प्रत्येक दिवस विकास खण्डध्गांव–गांव जा कर साफ–सफाई, फागिंग, दवा का छिड़काव आदि करायेंगे। उन्होंने अपर जिलाधिकारी श्री राकेश सिंह से नगरीय क्षेत्रों में दवा छिड़काव करने वाली उपलब्ध मशीनों एवं समस्त नगर पंचायतों में हो रहे कार्यों की स्थिति जानी, जिसपर अपर जिलाधिकारी द्वारा उन्हें अवगत कराया गया कि जनपद में एंटी लार्वा का छिड़काव पूरी तत्परता के साथ किया जा रहा है। जनपद को डेंगू से बचाने के उद्देश्य से पूरी टीम कार्य कर रही है। जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक नगर पंचायतों में ई0ओ0 को भेज कर कार्य कराने के साथ ही सर्विलांस की कार्यवाही, निगरानी समितिया फिर से संचालित करने, प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकत्रीध्आशा बहुओं को प्रत्येक विकास खण्ड में निगरानी समिति की बैठक कर उन्हें उनके कार्यों से अवगत कराये जाने व दवाईयां उपलब्ध कराये जाने हेत निर्देश दिये। उन्होंने कहा प्रत्येक जनपद में साफ–सफाई व निगरानी समितियों का संचालन का कार्य पूरी गम्भीरता के साथ होना चाहिये। जिलाधिकारी ने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को पूरे सितम्बर माह में अभियान चलाकर साफ–सफाई, फागिंग, दवा का छिड़काव कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा आप सभी पूरी सतर्कता से कार्य करेंगे तो डेंगू ध्मलेरिया से जनपद को बचाया जा सकता है। 03 दिन के अन्दर समस्त ग्राम पंचायतों में साफ–सफाई, फागिंग, दवा का छिड़काव आदि कराने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने जिला मलेरिया अधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि जनपद में जहां कही भी डेंगू, मलेरिया का केस एक्टिव पाया जाये वहां तत्काल साफ–सफाई फागिंग कराना सुनिश्चित करें।

सम्पादकीय

जनरल मोटर्स, हार्ले डेविडसन और अब फोर्ड मोटर...क्यों भारत छोड़ रही हैं विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियाँ

विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियां भारत में आती तो बड़े जोरशोर से हैं लेकिन सही रणनीति नहीं होने के चलते उन्हें अपना कारोबार समेटना पड़ जाता है। जनरल मोटर्स और हार्ले डेविडसन के बाद इस सूची में नाम जुड़ गया है फोर्ड मोटर का। देखा जाये तो कोरोना से उपजे हालात और ऑटोमोबाइल सेक्टर में चल रही मंदी से अमेरिकी ऑटोमोबाइल कंपनी फोर्ड की कमर टूट गयी है और उसने भारत में अपने संयंत्रों पर ताला लगाने का फैसला किया है। बताया गया है कि दो अरब डॉलर का नुकसान झेलने से कंपनी की हालत पतली हो गयी है। हालांकि कंपनी के इस ऐलान से उन लोगों की चिंता बढ़ गयी है जिनके पास फोर्ड मोटर की गाड़ी है। लेकिन कंपनी ने ऐलान किया है कि जिन लोगों के पास फोर्ड की गाड़ी है उन्हें सर्विस पहले की तरह मिलती रहेगी।

चिंता की लहर क्यों दौड़ी

लगभग तीन दशकों से भारतीय बाजार में मौजूद अमेरिका की प्रमुख वाहन कंपनी फोर्ड मोटर कंपनी ने जब कहा कि वह देश के अपने दो संयंत्रों में वाहन उत्पादन बंद कर देगी और केवल आयातित वाहनों को ही बेचेगी तो एक चिंता की लहर तो दौड़ी ही साथ ही भारत में निवेश को उत्सुक ऑटोमोबाइल कंपनियों को भी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार पर मजबूर होना पड़ा। फोर्ड कंपनी ने अपने चेन्नई (तमिलनाडु) और साणंद (गुजरात) संयंत्रों में लगभग 2.5 अरब डॉलर का निवेश किया है, मगर भारत में कड़ी प्रतिस्पर्धा में वह टिक नहीं पाई और उसे विगत 10 वर्षों के दौरान करीब दो अरब डॉलर का नुकसान हुआ। अब कंपनी ने अपना कारोबार समेटने का जो फैसला किया है उससे करीब 4,000 कर्मचारी और ऐसे 150 डीलर प्रभावित होंगे जो करीब 300 बिक्री केन्द्रों का कामकाज संभालते हैं।

फोर्ड कंपनी का क्या कहना है?

फोर्ड कंपनी अपने साणंद संयंत्र से इंजन का निर्माण जारी रखेगी जिसे कंपनी के वैश्विक परिचालन के लिए निर्यात किया जाएगा।

वाहन विनिर्माण परिचालन को बंद करने के साथ ही फोर्ड इन संयंत्रों से उत्पादित इकोस्पोर्ट, फिगो और एस्पायर जैसे वाहनों की बिक्री अब बंद कर देगी। फोर्ड मोटर कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिम फार्ले ने एक बयान में बताया है कि फोर्ड प्लस योजना के हिस्से के रूप में, हम दीर्घकालिक तौर पर टिकाऊ लाभदायक व्यवसाय करने के लिए कठिन लेकिन आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं और अपनी पूंजी को सही क्षेत्रों में बढ़ने और मूल्य सृजित करने के लिए आवंटित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नए वाहनों की मांग पूर्वानुमान की तुलना में बहुत कमजोर रही है। कंपनी ने कहा है कि रोजगार गंवाने वाले कर्मचारियों को ष्एक समान और उचित पैकेज की पेशकश की जाएगी।

फोर्ड कंपनी की वर्तमान क्षमता क्या है?

हम आपको बता दें कि फोर्ड इंडिया के पास सालाना 6,10,000 इंजन और 4,40,000 वाहनों की स्थापित विनिर्माण क्षमता है। कंपनी ने फिगो, एस्पायर और इकोस्पोर्ट जैसे अपने मॉडलों को दुनिया भर के 70 से अधिक बाजारों में निर्यात किया है। इस साल जनवरी में फोर्ड मोटर कंपनी और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने पूर्व में घोषित वाहन संयुक्त उद्यम को समाप्त करने और भारत में स्वतंत्र परिचालन जारी रखने का फैसला किया था। लेकिन अब फोर्ड ने स्वतंत्र परिचालन को भी बंद करने का ऐलान कर दिया है। जनरल मोटर्स और हार्ले डेविडसन के बाद फोर्ड

देखा जाये तो जनरल मोटर्स के बाद भारत में कारखाना बंद करने वाली फोर्ड दूसरी अमेरिकी वाहन कंपनी है। वर्ष 2017 में जनरल मोटर्स ने घोषणा की थी कि वह भारत में वाहनों की बिक्री बंद कर देगी क्योंकि दो दशकों से अधिक समय तक संघर्ष करने के बाद भी उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। इसके साथ ही पिछले साल हार्ले डेविडसन ने भी भारत में बढ़ते घाटे को देखते हुए अपना कारोबार यहां से समेटने और सिर्फ विदेशी बाजारों पर ही फोकस रखने का निर्णय किया था।

विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियों की यह हालत क्यों?

विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियों के बढ़ते घाटे का असल कारण देखा जाये तो यह है कि भारतीय बाजार पर कब्जा करने की रणनीति वह लंदन, वाशिंगटन या पेरिस आदि जैसे बड़े शहरों में बैठकर बनाते हैं जबकि भारतीय बाजार को समझने और उस पर छा जाने के लिए यहां मध्यवर्ग की नब्ज पकड़ने की जरूरत है। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा अपने नाम लंबे समय से रखने वाली मारुति सुजुकी इंडिया ने भारतीयों की जरूरत, उनकी पसंद और उनके बजट को सबसे अच्छे तरीके से समझा है और उनकी मांग पूरी की है। अगर किसी भी महीने की टॉप टेन गाड़ियों की बिक्री की सूची देखेंगे तो उसमें से छह या सात मारुति सुजुकी इंडिया की ही होती हैं।

मारुति ने हाल ही में अपने वाहनों की कीमतों में इजाफे की घोषणा की है लेकिन देखियेगा इससे कोई नहीं पड़ेगा और उसकी बिक्री तेज होती रहेगी क्योंकि इस कंपनी पर मध्यम वर्ग का भरोसा कायम है। भारत में देखा जाये तो मारुति के साथ ही अन्य भारतीय कंपनियां टाटा मोटर्स और महिन्द्रा भी ग्राहकों के बीच तेजी से अपना आधार बढ़ा रही हैं और उनके नये प्रयोग भी सफल हो रहे हैं। बहरहाल, जहां तक फोर्ड के ऐलान की बात है तो इसका बड़ा नुकसान यह होगा कि ग्राहकों के मन में विदेशी कंपनियों की गाड़ियां खरीदने के प्रति हिचक बढ़ेगी क्योंकि उन्हें लगेगा कि अगर उस कंपनी ने अपना कारोबार समेटा तो सर्विस मिलना मुश्किल हो जायेगा और वाहन के कलपुर्जों को बदलवाना महंगा पड़ेगा।

–नीरज कुमार दुबे

क्या सभी कट्टरपंथी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे होते हैं?

क्या तालिबान की तुलना आरएसएस से हो सकती है?

पुनियानी–

अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापिसी ने उनके पिछले शासनकाल की यादें ताजा कर दी हैं. उस दौरान तालिबान ने शरिया का अपना संस्करण लागू किया था और महिलाओं का भयावह दमन किया था. उन्होंने पुरूषों को भी नहीं छोड़ा था. पुरूषों के लिए एक विशेष तरह की पोशाक और दाढ़ी अनिवार्य बना दी गई थी. तालिबान ने बामियान में भगवान गौतम बुद्ध की पुरातात्विक महत्व की मूर्तियों को भी ध्वस्त किया था।

तालिबान के हाल में अफगानिस्तान में फिर से सत्ता में आने का भारतीय मुसलमानों के छोटे से वर्ग ने स्वागत किया है. उनकी दृष्टि में यह विदेशी आक्रांता ताकतों पर इस्लाम की विजय है। अधिकांश मुसलमान और विशेषकर मुस्लिम महिला संगठन इस घटनाक्रम से चिंतित और परेशान हैं और उन्होंने तालिबान की विचारधारा की कड़े शब्दों में भर्त्सना की है।

इस पश्ष्ठभूमि में देश के दो विख्यात मुस्लिम व्यक्तित्वों के वक्तव्यों ने हलचल मचा दी है। नसीरूद्दीन शाह ने तालिबान की सत्ता में वापिसी का जश्न मनाने वाले मुसलमानों की भर्त्सना करते हुए कहा कि भारतीय इस्लाम दुनिया के अन्य देशों में प्रचलित इस्लाम से भिन्न है। इस्लाम में सुधार की आवश्यकता है, उसे आधुनिक बनाए जाने की जरूरत है ना कि अतीत की बर्बरता की ओर लौटने की. उनके इस वक्तव्य का हिन्दू दक्षिणपंथी संगठनों ने स्वागत किया. मुसलमानों के एक बड़े तबके ने भी तालिबान की सराहना करने वालों की आलोचना को उचित बताया और कहा कि इस्लाम में सुधार लाने और उसे आधुनिक बनाए जाने की आवश्यकता है परंतु वे नसीरूउद्दीन शाह के वक्तव्य के इस हिस्से से असहमत हैं कि पूर्व की सदियों के मुसलमान बर्बर थे।

यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मुसलमानों की पिछली एक सदी की पीढ़ियों की तुलना राजाओं–नवाबों के शासनकाल के मुसलमानों से नहीं की जा सकती। जहां एक ओर मुस्लिम शासकों का दानवीकरण किया जा रहा है वहीं यह भी सही है कि उनके शासनकाल में ही देश की सांझा संस्कृति को रेखांकित करने वाले आंदोलन अपने चरम पर थे। इसी अवधि में भक्ति और सूफी संतों ने धर्मों के नैतिक पक्ष को समुचित महत्व प्रदान किया और बड़ी संख्या में लोग उनके अनुयायी बने।

जावेद अख्तर मुस्लिम कट्टरपंथ के प्रति अपने तिरस्कार के लिए जाने जाते हैं. इसका एक उदाहरण राज्यसभा में उनके द्वारा बार–बार वन्दे मातरम् कहना है। वे हर किस्म के धार्मिक कट्टरपंथ और अंधकारवाद के विरोधी रहे हैं। वे धर्म आधारित राजनीति और धार्मिक रूढ़िवादिता की खुलकर निंदा करते आए हैं। उन्होंने तालिबान की तुलना भारत में संघ परिवार से की. इससे बहुत हंगामा मचा। शिवसेना के मुखपत्र ने आरएसएस का बचाव किया और एक भाजपा विधायक ने धमकी दी है कि जब तक वे माफी नहीं मांगेगे तब तक उनकी फिल्मों का प्रदर्शन नहीं होने दिया जाएगा।

जब अख्तर ने तालिबान की तुलना आरएसएस से की तब उनके दिमाग में क्या रहा होगा? पिछले कुछ दशकों से भारत में हिन्दू दक्षिणपंथी राजनीति उभार पर है। भाजपा के केन्द्र में स्वयं के बल पर सत्ता में आने के बाद से हिन्दू राष्ट्रवाद के प्रभाव में जबरदस्त वश्द्धि हुई है. गौमांस और गाय के बहाने मुसलमानों और दलितों की लिंचिंग की घटनाएं हुई हैं, विश्वविद्यालयां के छात्र नेताओं (कन्हैया कुमार, रोहित वेम्यूला) को कटघरे में खड़ा किया गया है, सीएए–एनआरसी के जरिए मुसलमानों को आतंकित करने के प्रयास हुए हैं और लव जिहाद के बहाने मुस्लिम युवकों को निशाना बनाया गया है (शंभूलाल रेगर द्वारा अफराजुल की वीभत्स हत्या). इन सबसे मुसलमानों को ऐसा लगने लगा है कि वे दूसरे दर्जे के नागरिक बन गए हैं. पॉस्टर स्टेन्स की हत्या और कंधमाल हिंसा आदि ने ईसाईयों को भयातुर कर दिया है। यद्यपि इन सभी घटनाओं में आरएसएस की प्रत्यक्ष भागीदारी का कोई सुबूत नहीं है तथापि यह स्पष्ट है कि ये हिन्दू राष्ट्रवाद और धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन करने की उसकी विचारधारा का नतीजा हैं. संघ ने भाजपा, अभाविप, विहिप, वनवासी कल्याण आश्रम आदि जैसी दर्जनों संस्थाएं खड़ी कर दी हैं जो औपचारिक और कानूनी दृष्टि से उससे अलग हैं परंतु वास्तव में उसकी विचारधारा का प्रसार करने वाली विशाल मशीनरी का हिस्सा हैं। आरएसएस शाखा में प्रशिक्षित नाथूराम गोडसे से लेकर अब तक संघ विभिन्न अपराधों में लिप्त लोगों से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ता आया है कि उन लोगों का संघ से कोई सीधा संबंध नहीं है। इसका सबसे ताजा उदाहरण है 'पाञ्चजन्य' में प्रकाशित एक लेख में इंफोसिस की इस आधार पर आलोचना कि वह भारतीय अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के षड़यंत्र का हिस्सा है। इस लेख की आलोचना होते ही संघ ने कह दिया कि पाञ्चजन्य एक स्वतंत्र प्रकाशन समूह है जिससे उसका कोई लेनादेना नहीं है।

जावेद अख्तर का यह कहना सही है कि तालिबान और आरएसएस के लक्ष्य एक से हैं। तालिबान इस्लामिक अमीरात की स्थापना करना चाहता है और आरएसएस हिन्दू राष्ट्र की. आरएसएस का कहना है कि भारत में रहने वाले सभी लोग हिन्दू हैं और वह सभी धार्मिक पहचानों को हिन्दू धर्म का हिस्सा बनाना चाहता है। एक अन्य समानता यह है कि दोनों केवल पुरूषों के संगठन हैं और क्रमशः इस्लाम और हिन्दू धर्म की अपने ढंग से व्याख्या करते हैं।

जहां तक कार्यपद्धति का सवाल है दोनों में कोई समानता नहीं है। तालिबान की क्रूरता की कोई सीमा नहीं है और वह खुलकर अपनी क्रूरता का प्रदर्शन करता है. वह नीति निर्माण से लेकर सड़कों पर अपनी नीतियों को लागू करने तक का काम स्वयं ही करता है। आरएसएस का ढांचा इस प्रकार का है कि जो व्यक्ति लाठी या बंदूक उठाता है वह लगभग हमेशा संघ का सदस्य नहीं होता. संघ की विचारधारा कई कन्वेयर बेल्टों से होती हुई उस व्यक्ति तक पहुंचती है जिसे सड़क पर कार्यवाही करनी होती है। संघ के पास एक लंबी चौन है जो पूरी तरह से अनौपचारिक है और जिसकी एक कड़ी को दूसरी से जोड़ना संभव नहीं होता। पिछली सदी में दुनिया के कई देशों में कट्टरपंथ और साम्प्रदायिकता बढ़ी है। यह जहां पूर्व उपनिवेशों में हुआ है वहीं साम्राज्यवादी देश भी इससे अछूते नहीं हैं. आधुनिक इतिहास में सबसे पहले अमरीका में ईसाई कट्टरपंथ का उदय हुआ. यह तबकी बात है जब 1920 के दशक में महिलाएं और अफ्रीकी–अमरीकी सामाजिक जीवन में आगे आने लगे. पश्चिम एशिया में औपनिवेशिक ताकतों के शासन ने यह सुनिश्चित किया कि औद्योगिकरण और आधुनिक शिक्षा की प्रक्रिया से वर्ग, जाति (भारत में) और लैंगिक पदक्रम में विश्वास रखने वाले लोग अछूते बने रहें। कट्टरपंथियों और साम्प्रदायिकतावादियों की रणनीतियां अलग–अलग देशों में अलग–अलग होती हैं. परंतु वे सभी स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के मूल्यों का विरोध करती हैं और उन्हें 'विदेशी' बताती हैं. वे सभी जन्म आधारित ऊँच–नीच को बनाए रखना चाहती हैं और अपने–अपने धर्मों या 'गौरवशाली अतीत' का महिमामंडन करती हैं. स्वतंत्रता, समानता आदि मूल्यों को औपनिवेशिक ताकतों की देन बताया जाता है और औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति के नाम पर इन मूल्यों का विरोध किया जाता है।

नसीरूउद्दीन शाह स्थिति का बहुत सामान्यीकरण कर रहे हैं. वे मुस्लिम समाज में सुधार और उसे आधुनिक बनाने के पैरोकार हैं परंतु सामंती समाज से औद्योगिक समाज में परिवर्तन की प्रक्रिया से उपजने वाली जटिलताओं का ख्याल नहीं रख रहे हैं। जावेद अख्तर यह सही कह रहे हैं कि धर्म का लबादा ओढ़े इस तरह के संगठनों का एजेंडा पुनरूत्थानवादी होता है परंतु वे यह भूल जाते हैं कि इस तरह का हर संगठन दूसरे संगठनों से अलग होता है और उनकी तुलना नहीं की जा सकती।

उचित नहीं डेंगू के प्रकोप की अनदेखी

–योगेश कुमार गोयल–

उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, मध्य प्रदेश तक कई राज्य इस समय वायरल बुखार और डेंगू के कहर से जूझ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में तो रहस्यमयी मानी जा रही बीमारी के अधिकांश मामलों में बहुत से मरीजों में अब डेंगू की पुष्टि हुई है। डेंगू और वायरल बुखार से अभीतक विभिन्न राज्यों में सैंकड़ों मरीजों की मौत हो चुकी है। देश में प्रायः मानसून के समय जुलाई से अक्तूबर के दौरान डेंगू के सर्वाधिक मामले सामने आते हैं।

दरअसल मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम भी शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने की जरूरत की महसूस की जाती है लेकिन इस मामले में हर साल सरकारी तंत्र का बेहद लचर रवैया सामने आता रहा है, जिस कारण देखते ही देखते डेंगू का प्रकोप एक–एक कई राज्यों को अपनी चपेट में ले लेता है। डेंगू प्रतिवर्ष खासकर बारिश के मौसम में लोगों को निशाना बनाता है और पिछले साल भी इसके कारण सैंकड़ों लोगों की मौत हुई थी। देश के अनेक राज्यों में अब हर साल इसी प्रकार डेंगू का कहर देखा जाने लगा है, हजारों लोग डेंगू से पीड़ित होकर अस्पतालों में भर्ती होते हैं, जिनमें से कई दर्जन लोग मौत के मुंह में भी समा जाते हैं। दरअसल डेंगू आज के समय में ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके कारण प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। यह घातक बीमारियों में से एक है, जिसका यदि समय से इलाज न मिले तो यह जानलेवा हो सकता है।

कई राज्यों में डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए मौजूदा समय में डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कोविड काल में डेंगू सहित अन्य बीमारियों के जोखिम को नजरअंदाज करना काफी खतरनाक हो सकता है। कोरोना के इस कठिन दौर में अगर डेंगू जैसी बीमारी भी खतरनाक रूप धारण करती है तो पहले ही जरूरत से ज्यादा बोझ झेल रहा हमारा स्वास्थ्य ढांचा कोरोना और डेंगू से एकसाथ निबटने में पूरी तरह चरमरा जाएगा। हालांकि डेंगू की दस्तक हर साल सुनाई पड़ती है किन्तु हर तीन–चार वर्ष के अंतराल पर जब यह एक महामारी के रूप में उभरता है, तभी हमारी सरकारें तथा स्थानीय प्रशासन कुंभकर्णी नींद से जागते हैं। डेंगू की दस्तक के बाद डॉक्टरों व प्रशासन द्वारा आम जनता को कुछ हिदायतें दी जाती हैं लेकिन डॉक्टर व प्रशासन इस मामले में खुद कितने लापरवाह रहे हैं, इसका उदाहरण डेंगू फैलने के बाद भी कमोबेश सभी राज्यों में जगह–जगह फैले कचरे और गंदगी के ढेर तथा विभिन्न अस्पतालों में सही तरीके से साफ–सफाई न होने और अस्पतालों में भी मच्छरों का प्रकोप देखकर स्पष्ट मिलता रहा है। प्रशासनिक लापरवाही का आलम यही रहता है कि ऐसी कोई बीमारी फैलने के बाद एक–दूसरे पर दोषारोपण कर जिम्मेदारी से बचने की होड़ दिखाई देती है।

डेंगू का प्रकोप अब पहले के मुकाबले और भी भयावह इसलिए होता जा रहा है क्योंकि अब डेंगू के कई ऐसे मरीज भी देखे जाने लगे हैं, जिनमें डेंगू के अलावा मलेरिया या अन्य बीमारियों के भी लक्षण होते हैं और इन बीमारियों के एक साथ धावा बोलने से कुछ मामलों में स्थिति खतरनाक हो जाती है। डेंगू बुखार हमारे घरों के आसपास खड़े पानी में ही पनपने वाले ऐडीस मच्छर के काटने से होने वाला एक वायरल संक्रमण ही है। ऐडीस मच्छर काले रंग का स्पॉटेड मच्छर होता है, जो प्रायः दिन में ही काटता है। डेंगू का वायरस शरीर में प्रविष्ट होने के बाद सीधे शरीर के प्रतिरोधी तंत्र पर हमला करता है। इस मच्छर का सफाया करके ही इस बीमारी से पूरी तरह से बचा जा सकता है।

डेंगू प्रायः दो से पांच दिनों के भीतर गंभीर रूप धारण कर लेता है। ऐसी स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो सकता है और रोगी समझने लगता है कि वह ठीक हो गया है लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है बल्कि यह स्थिति और भी खतरनाक होती है। अतः बेहद जरूरी है कि आपको पता हो कि डेंगू बुखार होने पर शरीर में क्या–क्या प्रमुख लक्षण उभरते हैं। डेंगू के अधिकांश लक्षण मलेरिया से मिलते–जुलते होते हैं लेकिन कुछ लक्षण अलग भी होते हैं। तेज बुखार, गले में खराश, ठंड लगना, बहुत तेज सिरदर्द, थकावट, कमर व आंखों की पुतलियों में दर्द, मसूड़ों, नाक, गुदा व मूत्र नलिका से खून आना, मितली व उल्टी आना, मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, हीमोग्लोबिन के स्तर में वृद्धि, शरीर पर लाल चकते (खासकर छाती पर लाल–लाल दाने उभर आना), रक्त प्लेटलेट (बिम्बाणुओं) की संख्या में भारी गिरावट इत्यादि डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं।

बीमारी कोई भी हो, उसके उपचार से बेहतर उससे बचाव है और डेंगू के मामले में तो बचाव ही सबसे बड़ा हथियार माना गया है। इसीलिए लोगों को इसके बारे में जागरूक करना बेहद जरूरी है क्योंकि उचित सावधानियां और सतर्कता बरतकर ही इस जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है। घर की साफ–सफाई का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है। आपके घर या आसपास के क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप न हो, इसके लिए जरूरी है कि मच्छरों के उन्मूलन का विशेष प्रयास हो। डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का पनपना रोकें। कुछ अन्य जरूरी बातों पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। जैसे, अपने घर में या आसपास पानी जमा न होने दें। जमा पानी के ऐसे स्रोत ही डेंगू मच्छरों की उत्पत्ति के प्रमुख कारक होते हैं। यदि कहीं पानी इकट्ठा हो तो उसमें केरोसीन ऑयल या पेट्रोल डाल दें ताकि वहां मच्छरों का सफाया हो जाए। पानी के बर्तनों, टंकियों इत्यादि को अच्छी प्रकार से ढंककर रखें। कूलर में पानी बदलते रहें। यदि कूलर में कुछ दिनों के लिए पानी का इस्तेमाल न कर रहे हों तो इसका पानी निकालकर कपड़े से अच्छी तरह पोंछकर कूलर को सुखा दें। खाली बर्तन, खाली डिब्बे, टायर, गमले, मटके, बोतल इत्यादि में पानी एकत्रित न होने दें। बेहतर यही होगा कि ऐसे कबाड़ और इस्तेमाल न होने वाले टायर इत्यादि को नष्ट कर दें।

इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कहीं भी पानी जमा होकर सड़ न रहा हो। घर के दरवाजों, खिड़कियों तथा रोशनदानों पर जाली लगवाएं ताकि घर में मच्छरों का प्रवेश बाधित किया जा सके। पूरी बाजू के कपड़े पहनें। हाथ–पैरों को अच्छी तरह ढंककर रखें। मच्छरों से बचने के लिए मॉस्कीटो रिपेलेंट्स का प्रयोग कर सकते हैं लेकिन सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना मच्छरों से बचाव का सस्ता, सरल, प्रभावी और हानिरहित उपाय है। डेंगू के लक्षण उभरने पर तुरंत योग्य चिकित्सक की सलाह लें।

डेंगू हो जाने पर रोगी को हर हाल में पौष्टिक और संतुलित आहार देते रहना बेहद जरूरी है। तुलसी का उपयोग भी बेहद लाभकारी है। आठ–दस तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10–15 पत्तों को एक गिलास पानी में उबाल लें और जब पानी आधा रह जाए, तब पी लें। नारियल पानी पीएं, जिसमें काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स होते हैं, साथ ही यह मिनरल्स का भी अच्छा स्रोत है, जो शरीर में ब्लड सेल्स की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। विटामिन सी शरीर के इम्यून सिस्टम को सही रखने में मददगार होता है। इसलिए आंवला, संतरा, मौसमी जैसे विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करें। बुखार होने पर पैरासिटामोल का इस्तेमाल करें और ध्यान रखें कि बुखार किसी भी हालत में ज्यादा न बढ़ने पाए लेकिन ऐसे मरीजों को एस्प्रिन, ब्रूफिन इत्यादि दर्दनाशक दवाएं बिल्कुल न दें क्योंकि इनका विपरीत प्रभाव हो सकता है। हां, उल्टियां होने पर रोगी को नसों द्वारा ग्लूकोज चढ़ाना अनिवार्य है। स्थिति थोड़ी भी बिगड़ती देख तुरंत अपने चिकित्सक से सम्पर्क करें। फिलहाल डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं क्योंकि अभीतक इसकी कोई वैक्सीन नहीं बनी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

सदैव याद रहेगा स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण

–योगेश कुमार गोयल–

युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा आदर्श व्यक्त्वि के धनी माने जाते रहे स्वामी विवेकानंद को उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। सही मायनों में वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे। विशेषकर भारतीय युवाओं के लिए तो भारतीय नवजागरण का अग्रदूत उनसे बढ़कर अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। कोलकाता में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए सदैव युवा शक्ति पर भरोसा किया। दरअसल युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थी।

स्वामी जी ने 11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत 'मेरे अमेरिकी भाईयों और बहनों' के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। स्वामी विवेकानंद की चर्चा जब भी होती है तो अमेरिका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके उस ओजस्वी भाषण की चर्चा अवश्य होती है। उसी ओजस्वी भाषण को यादगार बनाए रखने और युवाओं को उस भाषण के जरिये ऊर्जावान बनाए रखने के लिए ही प्रतिवर्ष 11 सितम्बर का दिन 'शिकागो वक्तृता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। युवाओं की अहम् भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम् का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है।

स्वामी विवेकानंद ने युवा शक्ति का आव्हान करते हुए अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ''ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अतः एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है। मृत्यु तो निश्चित है, एक अच्छे काम के लिए मरना सबसे बेहतर है। कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊर्जावान पुरुष और महिलाएं एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।''

युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी जी ने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात् 'उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्मकता का संचार करने का कार्य किया। उनका कहना था कि अधिकांश लोग तो भेड़ों के झुंड के समान हैं। यदि आगे की एक भेड़ गड्ढे में गिरती है तो पीछे की सभी भेड़ें भी उसमें गिरती जाती हैं। इसी प्रकार समाज का मुखिया भर जब कोई बात कहता है तो दूसरे लोग भी उसका अनुकरण करने लगते हैं लेकिन यह नहीं सोचते कि वे कर क्या रहे हैं। जब मनुष्य को ये सांसारिक बातें निस्सार प्रतीत होने लगती हैं, तब वह सोचता है कि वह अपनी वृत्ति के हाथों का खिलौना बन चुका है और उस समय वह चाहता है कि खिलौना बनकर वह उसके बहकावे में न आए क्योंकि यह तो गुलामी है। स्वामी जी ने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसम्बर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। इसी रामकृष्ण मठ में 4 जुलाई 1902 को ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए।

ओवैसी और कार्यक्रम आयोजकों के खिलाफ बाराबंकी में मामला दर्ज

बाराबंकी, (वेब वार्ता)। बाराबंकी थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदउद्दीन ओवैसी के एक कार्यक्रम में कोविड–19 दिशा–निर्देशों का उल्लंघन तथा साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में उनके और आयोजक मंडल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ओवैसी बश्हस्पतिवार को बाराबंकी में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे और कार्यक्रम के आयोजकों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए कहा गया था। पुलिस अधीक्षक यमुना प्रसाद ने शुक्रवार को बताया की नौ सितंबर को थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत मोहल्ला कटरा चन्दना में एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के कार्यक्रम में शासन द्वारा जारी कोविड–19 दिशा–निर्देशों का उलंघन करते हुए काफी संख्या में भीड़ इकट्ठा की गई और प्रशासन द्वारा दी गई अनुमति का स्पष्ट उल्लंघन किया गया। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम के दौरान न तो किसी ने मास्क का प्रयोग किया गया और न ही सामाजिक दूरी का पालन किया गया। एसपी के मुताबिक एआईएमआईएम के अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले भड़काऊ भाषण दिए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि कोतवाली रामसनेही घाट में प्रशासन ने 100 वर्ष पुरानी मस्जिद को तुड़वा दिया और उसका मलबा भी वहां से पूर्ण रूप से हटा दिया गया। पुलिस के मुताबिक ओवैसी ने प्रधानमंत्री, भारत सरकार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, प्रदेश सरकार के खिलाफ भी अभद्र टिप्पणियां की। उन्होंने कहा कि इस संबंध में औवैसी और आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी मंगलवार से उत्तर प्रदेश के तीन दिन के दौरे पर थे। उन्होंने मंगलवार को अयोध्या के रूदौली में जनसभा कर विधानसभा चुनाव 2022 के अभियान की शुरूआत की थी। बुधवार को उनका सुल्तानपुर में और बृहस्पतिवार को बाराबंकी में कार्यक्रम था । बाराबंकी के कार्यक्रम पर पहले जिला प्रशासन ने रोक लगा दी थी लेकिन बाद में आयोजक मंडल द्वारा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने का आश्वासन दिये जाने के बाद कार्यक्रम की इजाजत दी गयी थी। ओवैसी उप्र के आगामी विधानसभा में 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं।

मायावती ने मुख्तार अंसारी को टिकट न देने का फैसला किया

लखनऊ, (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी से किनारा करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें मऊ सीट से टिकट न देने का फैसला किया है। उनके स्थान पर पार्टी अध्यक्ष भीम राजभर चुनाव लड़ेंगे। बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ''बसपा का उत्तर प्रदेश आगामी विधानसभा चुनाव में प्रयास होगा कि किसी भी बाहुबली व माफिया आदि को पार्टी से चुनाव न लड़ाया जाए। इसके मद्देनजर ही आजमगढ़ मण्डल की मऊ विधानसभा सीट से अब मुख्तार अंसारी का नहीं बल्कि बसपा के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष भीम राजभर का नाम तय किया गया है। गौरतलब है कि अंसारी इस समय बांदा जेल में बंद है। उन्होंने कहा, ''जनता की कसौटी व उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रयासों के तहत ही लिए गए इस निर्णय के फलस्वरूप पार्टी प्रभारियों से अपील है कि वे उम्मीदवारों का चयन करते समय इस बात का खास ध्यान रखें ताकि सरकार बनने पर ऐसे तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने में कोई भी दिक्कत न हो। मायावती ने कहा, ''बसपा का संकल्प 'कानून द्वारा कानून का राज' के साथ ही उत्तर प्रदेश की तस्वीर को भी अब बदल देने का है ताकि प्रदेश और देश ही नहीं बल्कि बच्चा–बच्चा कहे कि सरकार हो तो बहनजी की 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' जैसी तथा बसपा जो कहती है वह करके भी दिखाती है, यही पार्टी की सही पहचान भी है।

योगी शासन के ५४ महीने पूरे होने का जश्न मनाएगी यूपी बीजेपी!

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 सितंबर को अपने शासन के 54 महीने पूरे कर लेंगे और राज्य भाजपा इस अवसर का उपयोग केंद्र और राज्य सरकारों की उपलब्धियों को बूथ स्तर पर उजागर करने के लिए करेगी। भाजपा 19 सितंबर को राज्य भर के सभी 27,700 शक्ति केंद्रों पर बूथ स्तर के कार्यक्रम आयोजित कर योगी आदित्यनाथ सरकार के साढ़े चार साल (54 महीने) का जश्न मनाएगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से छह महीने पहले समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा पार्टी के बूथ विजय अभियान (बूथों पर जीत के लिए अभियान) का उद्घाटन करेंगे। इन कार्यक्रमों में पार्टी ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य में योगी आदित्यनाथ सरकार की उपलब्धियों को बूथ स्तर पर उजागर करने का फैसला किया है। इस अवसर पर नड्डा राज्य भर के सभी शक्ति केंद्रों पर पार्टी नेताओं को संबोधित करेंगे। लगभग एक साथ, पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71 वें जन्मदिन को चिह्नित करने के लिए 20 दिवसीय समारोह शुरू करेगी। पार्टी के एक प्रवक्ता ने कहा, दोनों समारोह साथ–साथ होंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं को मोदी और योगी सरकारों की उपलब्धियों की एक पुस्तिका दी जाएगी, जिसमें अभियान के लिए चर्चा के बिंदु होंगे।

स्कूल से ही बच्चों को फिट रखने की तैयारी, हर रोज कराए जाएंगे योग

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ शिवाजी के निर्देशानुसार योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी द्वारा जिले के समस्त विद्यालयों में योगाभ्यास करवाया जाएगा। साथ ही साथ नई पीढ़ी को नियमित योगाभ्यास से जोड़ने के लिए फिट इंडिया के अंतर्गत आयु आधारित योग प्रोटोकाल जारी किया गया है। इसे स्कूलों में बच्चों को रेगुलर कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसमे कक्षा एक से लेकर 12 वीं तक के बच्च्चे शामिल हैं। योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने कहा की योग में जीवन के बारे में हमारे दृष्टिकोण को बदलने की क्षमता है। जीवन के लिए अधिक उत्सुकता, अच्छा महसूस करने की वास्तविक भावना, स्वास्थ्य और भलाई की नवीन भावना योग के कुछ लाभ हैं। इसके उपचारात्मक दृष्टिकोण और सिद्धांत, स्वास्थ्य और बीमारी के व्यापक समग्र आयाम के सार का प्रतिनिधित्व करते हैं। योगाभ्यास अभ्यासकर्ता को मन और

शरीर के समन्वय, भावनात्मक समानता और बौद्धिक स्पष्टता की सुविधाएं प्रदान करता है। योगाचार्य ने कहा इन्हीं लाभों को देखते हुए नई पीढ़ी को नियमित योगाभ्यास से जोड़ने के लिए फिट इंडिया के अंतर्गत आयु आधारित योग प्रोटोकाल जारी किया गया है। इसे स्कूलों में बच्चों को रेगुलर कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसमें कक्षा एक से 12वीं तक के बच्चों में पांच से आठ साल और नौ से 18 साल की आयु वर्ग के लिए अलग–अलग प्रोटोकाल दिया गया है। नए सत्र में स्कूलों में इसे धीरे–धीरे लागू किया जाएगा। जिससे बच्चों को शारीरिक एवं खेलकूद शिक्षा के तहत इससे जोड़ा जा सकें।

मुख्तार अंसारी को एक और झटका, मायावती ने काटा टिकट, प्रदेश अध्यक्ष को बनाया प्रत्याशी

लखनऊ, (वेब वार्ता)। बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी को अपने समराज्य ढह जाने के बाद एक और बड़ा झटका लगा है। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने उनके सिर से अपना हांथ हटा लिया है और उनका टिकट भी काट दिया है।। मायावती ने शुक्रवार को एक बड़ी घोषणा करते हुए मऊ की सदर सीट से मुख्तार के बजाय प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को अपना प्रत्याशी बनाया है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारी में जोरदार ढंग से जुटी बहुजन समाज पार्टी ने शुक्रवार को अपना पहला प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है। बसपा ने बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी के स्थान पर भीम राजभर को पार्टी ने मऊ से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। मायावती ने शुक्रवार को तीन ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि बसपा का अगामी यूपी विधानसभा आमचुनाव में प्रयास होगा कि किसी भी बाहुबली व माफिया आदि को पार्टी से चुनाव न लड़ाया जाए। इसके मद्देनजर ही आजमगढ़ मण्डल की मऊ विधानसभा सीट से अब मुख्तार अंसारी का नहीं बल्कि यूपी के बीएसपी स्टेट अध्यक्ष भीम राजभर के नाम को फाइनल किया गया है। उन्होंने आगे लिखा कि जनता की कसौटी व उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रयासों के तहत ही लिए गए इस निर्णय के फलस्वरूप पार्टी प्रभारियों से अपील है कि वे पार्टी उम्मीदवारों का चयन करते समय इस बात का खास ध्यान रखें ताकि सरकार बनने पर ऐसे तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने में कोई भी दिक्कत न हो। मायावती ने कहा कि बीएसपी का संकल्प कानून द्वारा कानून का राज के साथ ही यूपी की तस्वीर को भी अब बदल देने का है ताकि प्रदेश व देश ही नहीं बल्कि बच्चा–बच्चा कहे कि सरकार हो तो बहनजी की सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय जैसी तथा बसपा जो कहती है वह करके भी दिखाती है यही पार्टी की सही पहचान भी है। ज्ञात हो कि बसपा सुप्रीमो मायावती पिछले दिनों मुख्तार के भाई सिबगतुल्लाह के बसपा छोड़ सपा में जाने और जेल में बंद मुख्तार अंसारी की आपराधिक छवि को देखते हुए उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने के संकेत दिए थे। मुख्तार पिछला विधानसभा चुनाव मऊ सीट से बसपा के टिकट पर जीते थे। अंसारी बंधु अपनी पार्टी कौमी एकता दल का भी विलय कर चुके हैं। ऐसे में विधानसभा चुनाव के लिए नया दल बनाने में कठिनाई हो सकती है। वैसे ये कोई पहली बार नहीं है जब मुख्तार अंसारी को बसपा से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इससे पहले वह 1996 में बसपा के विधायक बने थे और मायावती ने कुछ ही दिन बाद उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया था। बसपा विधायक मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिबगतुल्लाह अंसारी के साथ उनके बेटे मन्नू अंसारी ने सपा का दामन थाम चुके है। अंसारी परिवार पहले भी सपा का हिस्सा रह चुका है। सिबगतुल्लाह अंसारी को 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की अलका राय से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले दिनों माफिया विरोधी मंच ने विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से मुख्तार की सदस्यता रद्द किए जाने की मांग की थी। मंच के अध्यक्ष सुधीर सिंह की ओर से विधानसभा अध्यक्ष को दिए पत्र में कहा था कि मुख्तार अंसारी वर्ष 2005 से विभिन्न संगीन आरोपों में जेल में निरुद्ध है। ऐसे में मुख्तार द्वारा विधानसभा से वेतन व भत्ता लिया जाना असंवैधानिक है। मुख्तार ने 16 वर्षों में विधानसभा सदस्य के रूप में वेतन व अन्य भत्तों का 6.24 करोड़ रुपये का भुगतान लिया है, जिसकी ब्याज समेत वसूली की जानी चाहिए। बता दें कि विधायक मुख्तार अंसारी को जबरन वसूली के मामले में जनवरी 2019 से पंजाब की रूपनगर जेल में रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उसे बांदा जेल वापस लाया गया था। मुख्तार के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज कई आपराधिक मामलों की सुनवाई चल रही है। वैसे तो वह अक्टूबर 2005 से जेल में है, लेकिन अदालत की अनुमति से वह विधायी कार्यवाही में भाग लेता रहा। इतना ही नहीं अंसारी ने जेल में रहते हुए 2007, 2012 और 2017 में चुनाव भी जीते हैं।

वीर अब्दुल हमीद को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। शुक्रवार को परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद वीर अब्दुल हमीद के शहीद दिवस पर शहर के वीर अब्दुल हमीद चौक पर यूनाइटेड इदरीसी फ्रंट के जिला अध्यक्ष मो0 मोबीन इदरीसी के नेतृत्व में व

इदरीसी फ्रन्ट के पदाधिकारियों द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रीद्यांजलि दी गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा प्रत्याशी व समाजवादी पार्टी के नेता मसूद आलम खाँ रहे। कार्यक्रम में इदरीसी फ्रन्ट के प्रदेश सचिव फिरोज अहमद इदरीसी, समाज सेवी आसिफ सिद्दीकी व सभासद रहमान खान ने भी शहीद के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मसूद आलम ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद देश के लिए एक प्रेरणा है और हम सब को उनके ही मार्गदर्शन पर चलना चाहिए। संगठन के जिला अध्यक्ष मोबीन ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद इदरीसी परिवार के पूर्वज हैं इस लिए उनकी वीरता पर पूरा इदरीसी समाज गर्व करता है। संगठन के प्रदेश सचिव फिरोज इदरीसी ने भी अपने संबोधन में कहा कि वीर अब्दुल हमीद हमारे आदर्श है और उन्ही के आदर्शों पर ही हमें चलना चाहिए। इस मौके पर संगठन के जिला महासचिव नवीन इदरीसी, जिला महामंत्री सईद इदरीसी, जिला सचिव इबरार इदरीसी,बुग्गन प्रिंस,शकील अहमद,अब्दुल हफीज, जिला मंत्री मो0 कलीम,रिजवान, रेहान, अतिउल्लाह, अहमद अली, हाजी नूरुद्दीन,मो0 मजीद,इस्तियाक, नजमुद्दीन,मो0 कादिर, मो0 तारिक, सुफियान, सलमान, रज्जब अली, नसीर इदरीसी आदि लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया पंडित गोबिंद बल्लभ पंत की जयंती

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। विकास खंड वजीरगंज के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर भारत रत्न पंडित गोविंद वल्लभ पंत का जन्म दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुकेश नारायण मिश्र खंड शिक्षा अधिकारी ने की उन्होंने माल्यार्पण करते हुए पंत जी के योगदान पर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित जी में अपना सारा जीवन देश की सेवा की , आजादी की लड़ाई में गांधी जी और नेहरू जी के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर चले। आजादी के बाद उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने ।10 जनवरी 1955 को इन्हें भारत का गृहमंत्री बनाया गया भारत के गृहमंत्री के रूप में वह आज भी प्रशासकों के आदर्श है ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुधाकर मिश्रा ने सभी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें भी कुछ ऐसा काम करना चाहिए जिससे हमारा भी जन्म दिवस सारा देश मनाए ।कार्यक्रम में ए आर पी धीरेन्द्र सिंह और संजय कुमार,घनश्याम मौर्य, अशोक कुमार ,गंगेश्वर प्रसाद व शिक्षक सुनील

कुमार आनन्द ,सुनील गोस्वामी,विशाल शर्मा,सुरेंद्र प्रताप सिंह,माधव राम शुक्ला, प्रकाश श्रीवास्तव प्रतिभाग किया ।कंपोजिट विद्यालय अनभुला, कंपोजिट विद्यालय बाबा मठिया ,कंपोजिट विद्यालय वजीरगंज में पंत जी की जयन्ती मनाई गई। ए आर पी धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि पंत जी चिंतक,विचारक,मनीषी,दूरदृष्टा और महान समाज सुधारक थे। ए आर पी संजय ने कहा कि महापुरुषों का जन्म दिवस हम इसलिए मनाते है कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हम भी कुछ अच्छा करने को प्रेरित हो सकें। विद्यालय के अध्यापक ,सुनील आनन्द,अजय विश्वकर्मा ने बताया कि पंत जी के सम्मान मे 1957 में गणतंत्र दिवस पर भारत की सर्वोच्च उपाधि भारत रत्न से सम्मानित किया गया ।सुमी श्रीवास्तव ने बताया कि इस विद्यालय में सभी महापुरुषों की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई जाती है ।कार्यक्रम में माधवराम शुक्ला, रजनी गुप्ता, दिलीप कुमार, दीपमाला,स्वप्निल सिंह, दीपिका गुप्ता, कुमकुम सिंह, मनोज, रमाशंकर , एवम अनेक ग्रामवासी भी मौजूद रहे।

जिले में खुलेंगे 66 नए स्वास्थ्य उप केंद्र

ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को और बेहतर बनाने की पहल

अवध की आवाज ब्यूरो

रायबरेली। ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था को और बेहतर बनाने के हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद में 66 नए स्वास्थ्य उप केन्द्र (सब सेंटर) खोले जायेंगे जहाँ पर एएनएम की तैनाती होगी। यह स्वास्थ्य उप केन्द्र 16 ब्लाक में आवश्यकतानुसार खोले जायेंगे। इस सम्बन्ध में प्रदेश के चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने संबधित अधिकारियों को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. वीरेन्द्र सिंह ने बताया– पत्र के अनुसार जब तक इन उप केन्द्रों के नए भवनों का निर्माण नहीं हो जाता है, तब तक यह उप केंद्र किराये के भवनों में संचालित होंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया– हर पांच हजार की आबादी पर एक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने का मानक है। बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए इन उप केंद्रों को खोले जाने के आदेश हुए हैं। इन सब सेंटर को खोलने में ग्रामीण समुदाय की सब सेंटर से दूरी और भौगोलिक स्थिति का विशेष ध्यान रखा जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग सुविधा ले पायें। स्वास्थ्य उप केंद्रों पर गर्भवती की जांच, शिशुओं के टीकाकरण, प्रसव, परिवार नियोजन संबंधी सुविधाएं दी जाएंगी और एएनएम की तैनाती की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया– उप केन्द्र के भवन के लिए ग्राम पंचायत जमीन उपलब्ध कराएगी। हर सब सेंटर का निर्माण 300 वर्ग मीटर (15 गुणे 20 वर्ग मीटर) भूखंड पर किया जाएगा। जब तक सब सेंटर का निर्माण नहीं हो जाता है तब तक किराये के भवन में यह सब सेंटर चलाये जायेंगे। किराये के भवन में सब सेंटर चलाने के लिए उक्त भवन में कम से तीन कमरे होने जरूरी हैं। इसके साथ ही शौचालय, बिजली और पीने के पानी की सुविधा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। इसके अलावा एम्बुलेंस और मरीजों के आने दृजाने के लिए बेहतर रास्ता होना चाहिए। भवन के किराये के लिए 3,000 रूपये की धनराशि प्रतिमाह निर्धारित की गयी है। ऐसे भवनों को प्राथमिकता दी जाएगी जहाँ पर आने और जाने का रास्ता अलग–अलग हो।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया– प्रत्येक उपकेंद्र के संचालन के लिए वहां पर एक एएनएम की तैनाती की जाएगी। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस.अस्थाना ने बताया– जगतपुर, सतावां और अमावां में चार–चार, बछरावां, रोहनिया, शिवगढ़, सरैनी और डलमऊ में 3–3, डीह, छत्तो, हरचंदपुर, लालगंज और दीनाशाह गौरा में 2–2, खीरों में एक, ऊंचाहार और महाराजगंज में छह–छह तथा राही और सलोन में आठ– आठ सब सेंटर खोले जायेंगे।

विद्युत सम्बन्धी समस्त शिकायतों का जल्द से जल्द किया जाये निस्तारण:

जनपद की समस्त सड़कें हों गढ्ढा मुक्त:

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। (सू0वि0) मा0 मुख्य मंत्री जी उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिनांक 09 सितम्बर 2021 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग में दिये गये निर्देशों के अनुपालन के सम्बन्ध में विद्युत एवं लोक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं के साथ जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय कक्ष में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा अधीक्षण अभियन्ता (विद्युत वितरण मण्डल) एस0के0 सिंह को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये विद्युत व्यवस्था को सुधारने व टोल फ्री नम्बरों पर आने वाली कॉल को तुरन्त उठाकर सम्बन्धित की समस्याओं समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने जनपद में प्रत्येक स्तर पर कुल प्राप्त शिकायतों की जानकारी ली। जिस पर उन्हें अवगत कराया गया कि जनपद में अब तक बिजली विभाग की कुल 2000 शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। जिसपर जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल को प्राप्त समस्त शिकायतों का निस्तारण कराने के निर्देश देते हुये एक्स0ई0एन0 (विद्युत) व जे0ई0 को निर्देशित कर कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी का उत्तरदायित्व निर्धारित करें जो कार्य न करे उनके

खिलाफ कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये ।बैठक में जिलाधिकारी ने टोल फ्री नम्बरों पर प्राप्त शिकायतों व अब तक हुये निस्तारण, जनपद में कुल जनसंख्या का प्रतिशत व कुल जमा बिल, बिल खराब होने की शिकायतें/निस्तारण, तार जर्जर होने की शिकायतें/निस्तारण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जितनी भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं सभी का निस्तारण जल्द से जल्द हो जाना चाहिये। शासन की मंशा के अनुरूप ही कार्य होने चाहियें। अब किसी भी प्रकार की शिकायतें नही आनी चाहियें। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा जनपद की समस्त सड़कें गढ्ढा मुक्त होनी चाहियें। साथ ही अधिशाषी अभियन्ता जल निगम को जनपद में जल जीवन मिशन अभियान चलाकर कार्य करने हेतु निर्देशित किया ।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दिव्यांशु पटेल, अधीक्षण अभियन्ता (विद्युत वितरण मण्डल) एस0के0 सिंह सहित समस्त सम्बन्धित उपस्थित रहे।

कंज्यूमर केअर आर्गेनाईजेशन के अध्यक्ष ने बिजली विभाग के शिकायत निवारण शिविर पर उठाया सवाल

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। कंज्यूमर केअर आर्गेनाईजेशन के अध्यक्ष शशि देव पाण्डेय ने 24 जुलाई 2021 को बिजली विभाग के द्वारा आयोजित शिकायत निवारण शिविर को लोगों के समय की बर्बादी बताया। आगे उन्होंने बताया कि उनके कार्यालय में बिजली मीटर लगवाने के बाद मात्र 5 यूनिट की बिजली का प्रयोग किया गया था। कार्यालय में 1 पंखा और दो सीएफएल का कनेक्शन है। हर महीने औसतन 215–220 का बिल आता था। लेकिन पिछले लॉकडाउन में कार्यालय बंद होने के बावजूद 70–75 यूनिट के बिल आने लगे। इसकी शिकायत की गई लेकिन बिजली विभाग के अधिकारी न सुनने को तैयार थे और न ही गलती मानने को तैयार थे। मीटर टेस्ट के लिए आग्रह करने पर भी मना किया गया। कई बार विभाग के चक्कर लगा कर परेशान होने के बाद इस मामले को विद्युत फोरम जबलपुर में शिकायत की गई उसके बाद जनवरी में विद्युत फोरम के 45 दिवस के अंदर मीटर टेस्ट करने के आदेश से मीटर टेस्टिंग का आवेदन शुल्क के साथ स्वीकार तो कर लिया गया लेकिन मीटर बदल कर ले गए और कार्यालय में ही मीटर रख लिए टेस्टिंग नहीं करवाये। इसकी शिकायत ले कर पाण्डेय जी शिकायत निवारण शिविर में ले गए और वहां आवेदन दे कर पावती प्राप्त किये, जिसमे इन्हें दो दिन में कार्य आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया गया। 4 अगस्त को पचखोरा स्थित बिजली कार्यालय में जा कर अपने आवेदन की स्थिति जानने के लिए गए तो उन्हें ये कह कर लौटा दिया गया कि जब होगा तब आपको बताया जाएगा। इसकी शिकायत DE को किये लेकिन उससे भी इन्हें राहत नहीं मिली। वर्तमान में मीटर बंद है, लेकिन 133 यूनिट का बिल आया है। मीटर रीडर भी फोन नहीं उठता है। पाण्डेय का कहना है कि बिजली विभाग मोनोपोली का फायदा उठा रही है, जनता त्रस्त है, मजबूर है, बिल न जमा करे तो कनेक्शन काट देते हैं, उपभोक्ताओं को कल आना कह–कह कर परेशान किया जाता है। दूर–दूर से अपना समय और पैसे खर्च कर के उपभोक्ता बिजली विभाग में आते हैं फिर भी इनकी समस्याओं का निराकरण नहीं होता। थक हार कर उपभोक्ता बढ़ी हुई बिल जमा करता है क्योंकि इसके पास इसका कोई विकल्प नहीं है।

डॉ. तन्मय ने बढ़ाया प्रदेश का मान

अवध की आवाज ब्यूरो

लखन । किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के एनेस्थेसिया विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तन्मय तिवारी ने विश्वविद्यालय के साथ पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है । कोरिया में कोरियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी ने उत्कृष्ट रिसर्च एब्स्ट्रैक्ट में रिसर्च ग्रांट के लिए विश्व के 40 चिकित्सकों को चुना है, जिसमें डॉ. तन्मय तिवारी का भी नाम शामिल है । साऊथ कोरिया में नवम्बर में होने वाले अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में डॉ. तन्मय को इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जाएगा । डॉ. तन्मय वर्ष 2016 से केजीएमयू के एनेस्थीसिया विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं । इससे पहले वह एलएलआरएन मेडिकल कालेज मेरठ व एसजीपीजीआई–लखनऊ में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं । इस ग्रांट के लिए चयनित होने पर डॉ. तन्मय का कहना है कि समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें मुहैया कराने की दिशा में उत्कृष्ट शोध की आज बड़ी जरूरत है, जिसे पूरा करने में वह अपना पूरा योगदान देने को हर पल तैयार हैं ।

कार्तिक आर्यन के गले से निकलनी बंद हो गई आवाज, क्लाइमैक्स सीन का था शॉट

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड ऐक्टर कार्तिक आर्यन इस समय अपनी आने वाली फिल्म 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग कर रहे हैं। यह फिल्म पिछले काफी समय से चर्चा में है और इसकी शूटिंग भी 2019 में शुरू हो गई थी। बीच में कोरोना वायरस के चलते फिल्म की शूटिंग लंबे समय तक रुकी रही और अब इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने वाली है। अभी फिल्म का क्लाइमैक्स सीन शूट किया जा रहा है जिसमें कार्तिक आर्यन और तब्बू आमने–सामने नजर आने वाले हैं। एक न्यूज रिपोर्ट की मानें तो हाल में 'भूल भुलैया 2' के क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग हो रही थी। इस दौरान कार्तिक आर्यन के गले से आवाज निकलनी बंद हो गई। बताया जा रहा है कि फिल्म का क्लाइमैक्स सीन ड्रामा और ऐक्शन से भरपूर है। सीन में कार्तिक को काफी चीखना–चिल्लाना पड़ता है। कार्तिक फिल्म में तांत्रिक की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि सीन की शूटिंग के दौरान लगातार चीखने के कारण कार्तिक आर्यन की आवाज निकलनी ही बंद हो गई। इसके बाद फिल्म की पूरी टीम घबरा गई। इसके तुरंत बाद कार्तिक आर्यन के लिए डॉक्टर को बुलाया गया। डॉक्टर ने बताया कि कार्तिक को कुछ समय आराम करने की जरूरत है। लगातार चीखने के कारण उनकी वोकल कॉर्ड को नुकसान पहुंच सकता है। डायरेक्ट अनीज बज्मी ने बताया कि कार्तिक इस सीन को काफी सीरियसली कर रहे थे जिसके कारण अंत में उनकी आवाज निकलनी ही बंद हो गई। इसके लिए डायरेक्टर ने कार्तिक की तारीफ भी की है। बता दें कि 'भूल भुलैया 2' में कार्तिक आर्यन और तब्बू के अलावा कियारा आडवाणी (ज्ञपंतं ।कअंदप), राजपाल यादव और संजय मिश्रा मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के अलावा कार्तिक आर्यन एकता कपूर की फिल्म 'फ्रेडी' में भी काम कर रहे हैं जिसमें उनके साथ अलाया फर्नीचरवाला नजर आएंगी। कार्तिक की फिल्म 'धमाका' भी रिलीज होने के लिए तैयार है और उन्होंने शहजादा, कैप्टन इंडिया और साजिद नाडियाडवाला की एक कॉमिडी फिल्म साइन की हुई है।

करीना कपूर का तैमूर-जहांगीर को ट्रोल किए जाने पर छलका दर्द, बोलीं- प्यारे बच्चे हैं, बुरा लगता है

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड ऐक्ट्रेस करीना कपूर और सैफ अली खान अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी फैमिली लाइफ के लिए चर्चा में बने रहते हैं। करीना और सैफ की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है मगर इन्हें सोशल मीडिया पर कई गार्जियन' को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो ये केवल नाम हैं जो हमें पसंद आए, इसके अलावा कुछ भी नहीं है। ये खूबसूरत नाम हैं और वे दोनों खूबसूरत बच्चे हैं। यह बेहद दुखद है कि कोई बच्चों को क्यों

बार ट्रोल भी किया जाता है। केवल करीना और सैफ ही नहीं बल्कि उनके दोनों बच्चों तैमूर और जहांगीर को भी उनके नामों के कारण सोशल मीडिया पर काफी भला–बुरा बोला जाता है। इस मुद्दे पर अब करीना कपूर ने पहली बार खुलकर जवाब दिया है। करीना का कहना है कि उन्हें और सैफ को तैमूर और जहांगीर नाम पसंद आए थे और केवल इस कारण से ही उन्होंने अपने बच्चों के नाम ये रख लिए। करीना ने कहा कि उन्हें बेहद बुरा लगता है जब बच्चों को केवल उनके नाम के लिए ट्रोल किया जाता है। 'द ट्रोल करता है। मुझे बहुत बुरा लगता है लेकिन मैं अपने काम पर ध्यान लगाना चाहती हूं। मैं अपनी जिंदगी ट्रोल्स के हिसाब से नहीं जी सकती। वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर अब अपनी अगली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आएंगी। अद्वैत चंदन के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में आमिर खान मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म ऑस्कर जीत चुकी टॉम हैंक्स की हॉलिवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' का हिंदी अडैप्टेशन है। इसके अलावा करीना कपूर ने हंसल मेहता और एकता कपूर के साथ अपनी अगली फिल्म की भी हाल में घोषणा की है।

कंगना रनौत ने सांसदों के लिए रखी अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग, स्मशति ईरानी को बताया रीयल लाइफ 'थलाइवी'

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत की अपकमिंग फिल्म 'थलाइवी' थिएटर में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। कंगना रनौत फिल्म के प्रमोशन और स्पेशल स्क्रीनिंग में खासा बिजी हैं। कंगना ने हाल ही में दिल्ली पार्लियामेंट में फिल्म की एक स्पेशल स्क्रीनिंग का आयोजन किया था। कंगना ने फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जिसमें ऐक्ट्रेस से पॉलिटिशियन बनीं स्मृति ईरानी भी कंगना के साथ नजर आ रही हैं। स्मृति ईरानी अभी महिला एवं बाल विकास मंत्री के पद पर हैं। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में स्मृति ईरानी के साथ कई तस्वीरें शेयर की हैं, साथ ही स्मृति ईरानी को रियल लाइफ की 'थलाइवी' भी कहा है। फिल्म की एक स्पेशल स्क्रीनिंग के बाद कंगना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। जिसमें उन्होंने फिल्म और जयललिता की भूमिका को लेकर खुलकर बात की। हाल ही में ऐक्ट्रेस ने यह भी खुलासा किया कि जब उन्हें पहली बार जयललिता की भूमिका की पेशकश की गई थी, तो उन्हें बहुत संदेह था। इसके अलावा वह वजन बढ़ाने को लेकर भी काफी सोच विचार कर रही थीं। कंगना रनौत ने कहा,'शुरुआत में यह किरदार करने में मुझे काफी डर लग रहा है। जब फिल्म लेखक केवी वक्त ऐसा भी था कंगना को ख्याल आया कि 20 से 25 ाह अगर वजन बढ़ता है तो वह कैसी दिखेंगी। वापस फिर से फिट दिखना आसान नहीं था। 'थलाइवी' के अलावा

विजयेंद्र प्रसाद स्क्रिप्ट और जया अम्मा के वीडियो लेकर मेरे पास आए तो मेरे मन में बस एक ही सवाल आया कि क्या मैं इस किरदार में ठीक से ढल पाऊंगी,क्योंकि जयललिता एक खूबसूरत महिला थीं। साथ ही एक शानदार भरतनाट्यम डांसर थीं और वह तमिल भी बोलती थी। शुरुआत में कंगना को यह फिल्म करने में काफी हिचकिचाहट हो रही थी। एक कंगना के पास एक के बाद एक कई फिल्में हैं। कंगना फिल्म 'ध ााकड़' में एक जासूसी थ्रिलर के किरदार में नजर आएंगी। जिसमें वह एजेंट अग्नि नामक एक ऑफिसर की भूमिका निभाएंगी। ऐक्टर अर्जुन रामपाल और दिव्या दत्त भी उनकी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। इसके अलावा कंगना के पास 'तेजस' और 'मणिकर्णिका रिटर्न्सः द लीजेंड ऑफ डिड्डा' जैसी फिल्में भी हैं।

मां के निधन से टूटे अक्षय कुमार काम पर लौटे वापस, एक महीने तक यूके में करेंगे शूटिंग

मुंबई, (वेब वार्ता)। अक्षय कुमार की मां का 08 सितंबर को मुंबई में निधन हो गया। मां के अस्पताल में भर्ती होने के बाद ऐक्टर 06 सितंबर को इंडिया वापस आ गए थे। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक मां के निधन के बाद अब अक्षय काम पर वापस लौट चुके हैं। ऐक्टर अक्षय कुमार रंजीत तिवारी द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म की शूटिंग के लिए लंदन के लिए आज किसी वक्त भी रवाना हो सकते हैं। यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर होगी। इसमें जैकी भगनानी भी नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्षय का मानना है कि शो को चलते रहना चाहिए और अगर फिल्म की शूटिंग रुकती है तो फिल्म के बजट पर इसका

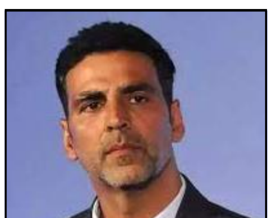

असर पड़ता है। मां के अंतिम संस्कार के सभी रस्में पूरी करने के बाद ऐक्टर स्थानीय अधिकारियों के संगरोध दिशानिर्देशों का पालन करते हुए यूके में शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। फिल्म की शूटिंग पूरे सितंबर चलने वाली है। रकुल प्रीत सिंह फिल्म में लीड ऐक्ट्रेस की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा अक्षय के पास भूमि पेडनेकर के साथ 'रक्षा बंधन' कृति सनोन के साछ 'बच्चन पांडे' और धनुष और सारा अली खान के साथ 'अतरंगी रे' जैसी फिल्म में नजर आने वाले हैं।

विधानसभा चुनाव को धार देने यूपी दौरे पर पहुंची प्रियंका

लखनऊ, (वेब वार्ता)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका वाड्रा विधानसभा चुनाव को धार देने यूपी पहुंच गई है। संगठन के कामकाज और पार्टी की ओर से चलाये जा रहे अभियानों और प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करेंगी। साथ ही शनिवार को वह व्यापारियों के साथ बैठक करेंगी। कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को परखने के साथ उसे रफ्तार देने के मकसद से प्रियंका वाड्रा गुरुवार को लखनऊ पहुंच गई है। अमौसी हवाई अड्डे से वह सीधे गोखले मार्ग स्थित कौल हाऊस पहुंचीं, जहां शाम को उन्होंने पार्टी के सभी राष्ट्रीय सचिवों और प्रदेश सह प्रभारियों के साथ बैठक कर फीडबैक लिया। उन्हें शुक्रवार की मीटिंग में प्लान के साथ मौजूद रहने का निर्देश दिया है। इससे पहले उन्होंने रिटायर्ड प्रशासनिक, पुलिस व सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर सियासी परिदृश्य के बारे में उनका मंतव्य जाना। प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने बताया कि प्रियंका वाड्रा आज कांग्रेस कमेटी कार्यालय में सलाहकार समिति के साथ बैठक कर पार्टी के चुनाव अभियान के तौर–तरीकों पर चर्चा करेंगी। फिर उनकी प्रदेश चुनाव पार्टी की ओर से चलाये गए भाजपा गद्दी छोड़ो और जयभारत महासंपर्क अभियान की रिपोर्ट का जायजा लेंगी। विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी के दावेदारों के दमखम

समिति के साथ बैठक होगी जिसमें प्रत्याशियों के चयन पर विचार विमर्श होगा। इसके बाद वह प्रदेश कार्यकारिणी के कामकाज की जोनवार समीक्षा करेंगी। समीक्षा के दौरान कांग्रेस के सभी जोनल प्रभारी उनके सामने पिछले महीने को इन अभियानों में उनकी सक्रियता की कसौटी पर भी परखा जाएगा। बताया जा रहा है कि प्रियंका वाड्रा 12 सितंबर को अपनी मां सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली जाएंगी। वह तकरीबन दो साल के बाद वहां जाएंगी।

मारुति कार की बिक्री में आई तेजी, इस मॉडल की सेल्स का आंकड़ा तीन लाख यूनिट के पार

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसकी मध्यम आकार की सेडान सियाज ने 2014 में बाजार में आने के बाद से तीन लाख इकाइयों की कुल बिक्री का आंकड़ा पर कर लिया है। सियाज 1.5–लीटर पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है और यह सुजुकी की 'स्मार्ट हाइब्रिड' तकनीक से लैस है, जो ईंधन दक्षता को बढ़ाती है। इस गाड़ी की दिल्ली में शोरूम कीमत 8.72 लाख रुपये से 11.71 लाख रुपये के बीच है। एमएसआईएल के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि 2014 में पेशकश के बाद से सियाज ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी प्रीमियम सेडान खंड में शानदार सफलता हासिल की है।

अकाउंट एग्रीगेटर से धन प्रबंध में सुधार होगा, आसानी से मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। हाल में पेश किए गए अकाउंट एग्रीगेटर की मदद से वित्तीय संस्थानों को डिजिटल रूप से वित्तीय जानकारी साझा करके आम लोग और छोटे कारोबारी बैंकों से बिना किसी परेशानी के कर्ज हासिल कर सकते हैं। अकाउंट एग्रीगेटर के बारे में वित्त मंत्रालय द्वारा अक्सर पूछे गए प्रश्नों के जवाब (एफएक्यू) में कहा गया कि पिछले सप्ताह पेश की गई वित्तीय डेटा–साझा प्रणाली– अकाउंट एग्रीगेटर (एए) निवेश और ऋण के क्षेत्र में क्रांति ला सकता है और इससे लाखों उपभोक्ताओं को अपने वित्तीय रिकॉर्ड तक आसान पहुंच और नियंत्रण मिल सकता है। एफएक्यू के मुताबिक इस पहल से ऋणप्रदाता और फिनटेक कंपनियों के लिए ग्राहकों की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी होगी। बैंकिंग में अकाउंट एग्रीगेटर प्रणाली देश के आठ सबसे बड़े बैंकों के साथ शुरू की गई है। अकाउंट एग्रीगेटर प्रणाली ऋण और धन प्रबंधन को बहुत तेज और किफायती बना सकता है। ऐसी सुविधा देने वाले कई अकाउंट एग्रीगेटर होंगे और उपभोक्ता जिसे चाहे उसे चुन सकता है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि बैंक खाता विवरण की भौतिक रूप से हस्ताक्षरित और स्कैन की गई प्रतियों को साझा करना, दस्तावेजों को नोटरी से हस्ताक्षर करवाना या मुहर लगाना या किसी तीसरे पक्ष को अपना वित्तीय विवरण देने के क्रम में होने वाली परेशानियों के बदले अकाउंट एग्रीगेटर नेटवर्क इनके लिए एक सरल, मोबाइल–आधारित और सुरक्षित तरीके से डिजिटल जानकारी तक सुनिश्चित करता है। इसके लिए बैंक को केवल अकाउंट एग्रीगेटर नेटवर्क से जुड़ने की आवश्यकता है। आठ बैंक पहले से ही सहमति के आध ाार पर डेटा साझा कर रहे हैं। इनमें से चार बैंक – एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और इंडसइंड बैंक यह सुविधा शुरू कर चुके हैं। इसके अलावा चार बैंक – भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और फेडरल बैंक जल्द ही यह सुविधा शुरू करने वाले हैं। आधार ईकेवाईसी और सीकेवाईसी केवल नाम, पता, लिंग आदि पहचान आध ाारित जानकारी साझा करते हैं। इसी तरह क्रेडिट ब्यूरो डेटा केवल ऋण इतिहास और क्रेडिट स्कोर दिखाता है। दूसरी ओर अकाउंट एग्रीगेटर नेटवर्क से बचत, जमा या चालू खातों से लेनदेन की जानकारी साझा हो सकेगी।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देशवासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। नायडू ने ट्वीट किया, ''गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को गणेश चतुर्थी की मंगलकामनाएं। यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में सुख, शांति, सौभाग्य और आरोग्य लेकर आए। गणपति बप्पा मोरया।'' गणेश चतुर्थी भगवान गणेश के जन्म का प्रतीक है, जिन्हें ज्ञान, समृद्धि

और सौभाग्य के अवतार के रूप में पूजा जाता हैं। भारत में, अपने कामों में आने वाली किसी भी बाधा को दूर करने के लिए भगवान गणेश के नाम का जप करना एक आम बात है। इसी कारण से उन्हें विनहर्ता भी कहा जाता है। को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान गणेश बुद्धिमत्ता, समृद्धि और सौभाग्य के प्रतीक के रूप में पूजे जाते हैं। विनहर्ता विनायक हमारे मार्ग में आने वाली सब बाध ााओं को दूर करें।'' प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''आप सभी

मोरवा पुलिस ने चोरी हुआ हाईवा को 24 घंटे के अंदर किया बरामद।

अवध की आवाज ब्यूरो

मध्य प्रदेश। जिला सिंगरौली मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 08/09/21 को फरियादी चन्दर तिवारी पिता शिवपूजन तिवारी प्रोजेक्ट मैनेजर के.एफ.सी. कम्पनी ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि हाइवा क्र. UP 64 BT1654 जो दुद्धीचुआ एनसीएल प्रोजेक्ट मे खदान के अन्दर ही रहकर खदान के अंदर ही कोल ट्रांसपोर्ट में चल रहा है जो बीती रात शिफ्ट बदली के समय 9 बजे से 10 के बीच कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया है। जिस पर थाना मोरवा मे अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध क्र. 513/21 धारा 379 आईपीसी कायम कर आरोपी की तलाश कि जाने लगी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी मोरवा ने एक टीम बनाकर तलाश हेतु भेजा गया तथा समस्त थानों सहित उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के अन्य जिलो कि पुलिस को सूचना दी गई। वही थाना प्रभारी मोरवा को सूचना प्राप्त हुई कि हाइवा को देवसर के आगे देखा गया है जिस पर तत्काल थाना मोरवा की टीम सीधी के लिये रवाना हुई एवं थाना प्रभारी मोरवा द्वारा इसकी सूचना तत्काल कोतवाली सीधी मे पदस्थ उप निरी. अभिषेक सिंह परिहार को दी गई एवं थाना मोरवा द्वारा रवाना टीम तथा उप निरी. अभिषेक सिंह परिहार के संयुक्त प्रयास से हाइवा सीधी के महाराजपुर में पकड़ा गया चोरी करने वाला आरोपी सीधी जिले के महाराजपुर का रहने वाला शिब्बू उर्फ शिवबहादुर सिंह उम्र 26 वर्ष है। जो इसी कम्पनी मे ड्रायवरी का काम करता था तथा 15 दिन से नौकरी मे नही आ रहा था इस पर सीधी जिले मे भी पूर्व मे अपराध दर्ज है। आरोपी से चोरी गया हाइवा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है। उक्त आरोपी को पकड़ने में सहायक उप निरी. संतोष सिंह, अरविन्द चौबे, प्र.आर. संजय सिंह, आर. सुबोध तोमर एवं कोतवाली सीधी से उप निरी. अभिषेक सिंह परिहार, प्र.आर. तिलकराज सिंह, आर. आजाद खान, सुनील बागरी, रामचरित्र पाण्डेय सामिल थे।

कदौरा ब्लाक नरेगा योजना में धांधली 85 साल के बीमार व्रद्ध के जॉब कार्ड पर फर्जी कार्य दिखाकर हुई धन निकासी

10 साल से बीमार चलने को मौताज व्रद्ध का फर्जी भरा गया जॉब कार्ड मजदूरी किसी अन्य के खाते में ट्रांसफर

कमीशन का खेल बड़े पैमाने पर नरेगा योजना में मिलने वाली धनराशि का बंदरबांट

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन। विकास खण्ड कदौरा क्षेत्र नरेगा योजना में मजदूरों के हक की खुला लूट जारी है अब देखिए न जो व्रद्ध दस वर्षों से बीमार व चलने फिरने को मौताज हो उसके जॉब कार्ड पर फर्जी कार्य चढवाकर मजदूरी किसी और खाते में ट्रांसफर करवाके हजम कर ली गई जब मजदूर परिवार को इसकी जानकारी हुई तो शिकायत की गयी।

गौरतलब हो कि विकास खण्ड कदौरा की ग्राम पंचायत पाली अभिरवा निवासी मजदूर गोरेलाल पुत्र रामरतन द्वारा शिकायत कर अवगत कराया कि उसके पिता रामरतन की उम्र 85 वर्ष है जो कि गत 10 वर्ष से बीमार है एव चलने फिरने में असमर्थ है जिनके जॉब कार्ड में वर्ष 2020–21 में लगातार रोजगार कार्य चढ़ाकर डिमांड लगाकर धन निकासी और खाते में कर ली गई है उक्त फर्जीवाड़ा लंबे समय से जारी है उक्त मजदूर ने निवेदन किया है कि यदि कोई जांच होती है तो निर्दोष होने के बावजूद उन्हें फंसाया जाएगा जबकि असमर्थ बीमार व्रद्ध ने 10 वर्षों में न तो कभी काम किया और न ही कोई मजदूरी ली बावजूद अधिकारी प्रध ाान व रोजगार सेवक उक्त नरेगा योजना में इसी तरह की लूट

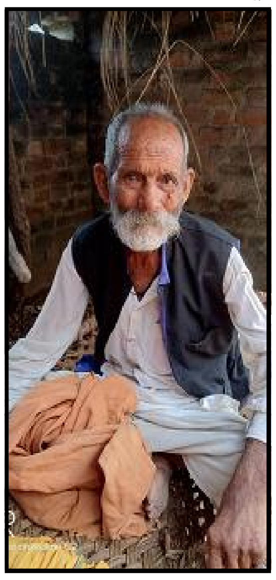

घसोट मचाये हुए है एव गांव में ऐसे कई जॉब कार्ड धारक है जो बाहर रहते है व काम नही करते लेकिन उनका रोजगार कार्य फर्जी रूप से चढ़ाकर किसी गैर खातों में डलवाकर उक्त लोग धन की बंदरबांट की जाती है।

बड़ी बात ये है कि अधिकांश ग्राम पंचायतों में नरेगा योजना में होने वाले कच्चे कार्यो में 50 परसेंट तक बने जॉब कार्डो में फर्जी रूप से डिमांड कार्य चड़वाकर धन निकासी करवा ली जाती है इसमें मास्टर माइंड रोजगार सेवक ही कमीशन सेट कर उक्त रकम का बंदरबांट करवाते है और कुछ नरेगा काम धरातल तो कुछ कागजों में ही दिखाई देता है।

अब केंद्र की प्रमुख नरेगा योजना जो कि सरकार द्वारा मजदूरों के हित मे है लेकिन ये ब्लाक स्तर पर सिर्फ कमाई का जरिया बनकर रह गयी है।जिस पर यदि निष्पक्ष जांच हो तो सरकारी धन की बंदरबांट का बड़ा खुलासा हो सकता है।वही ग्रामीण मजदूर द्वारा उक्त व्रद्ध बीमार के नाम पर किये गए फर्जीवाड़ा की जांच कार्यवाही की मांग की गयी।

कदौरा क्षेत्र नाका में श्रमउपायुक्त ने किया निरीक्षण बन्द मिला नरेगा कार्य

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन।ग्राम पंचायत में नरेगा कार्य के निरीक्षण के लिए पहुंचे अधिकारी द्वारा वर्तमान में नवीन कच्चा कार्य बंधा का निरीक्षण किया गया जहां काम बंद मिला व मजदूर भी नही थे जिसके सम्बन्ध ा में जांच पड़ताल कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

ज्ञातव्य हो कि विकास खण्ड कदौरा क्षेत्र ग्राम पंचायत नाका में डीसी मनरेगा अवधेश दीक्षित द्वारा ग्राम में नरेगा के तहत बंधा निर्माण रोड से दशरथ के खेत तक का निरीक्षण किया गया जहां कार्य अधूरा होने के अलावा बन्द पड़ा था एव मजदूर भी नदारद थे।वही जांच पड़ताल के दौरान मौके से सचिव नदारद थी मौजूद प्रध ाान से अधिकारी द्वारा पूंछतांछ की गयी जिन्होंने बताया कि बारिश की वजह से कार्य बन्द है जिसे पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।